शिव प्रतिमा केदारनाथ मंदिर के लिये रवाना

चर्चा में क्यों?

फूलों से सुसज्जित और पालकी में रखी **भगवान शिव की मूर्ति** अपने **शीतकालीन निवास उखीमठ से** केदारनाथ मंदिर के लिये रवाना हुई, जो 2 मई 2025 को भक्तों के लिये फिर से खुल जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **अनुष्ठान:**
  - गर्मियों में केदारनाथ मंदिर के पुनः खुलने से पहले, एक **प्रमुख अनुष्ठान में भगवान शिव की मूर्ति को उखीमठ के श्री** ओंकारेश्वर मंदिर से, जहाँ सर्दियों के दौरान उनकी पूजा की जाती है, केदारनाथ मंदिर में वापस स्थानांतरित किया जाता है।
  - भगवान शिव की मूर्ति को लेकर चलने वाली पाँच **मुख वाली पालकी** पंचमुखी **डोली, गुप्तकाशी, फाटा और** गौरीकुंड **में** निर्धारित पड़ावों के साथ **केदारनाथ की ओर अपनी पारंपरिक यात्रा पर निकलती है।**

चार धाम यात्रा

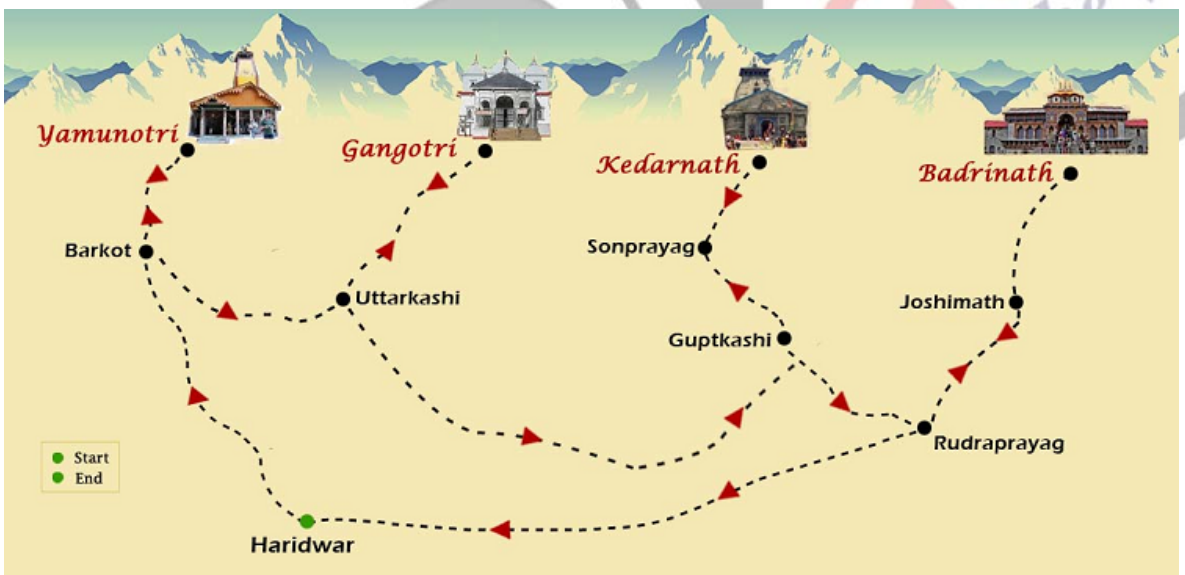

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित:** भगवान शिव।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।

- भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shiva-idol-leaves-for-kedarnath-temple